



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 ज्येष्ठ 1945 (श10)

(सं० पटना 477) पटना, सोमवार, 19 जून 2023

सं० 08/आरोप-01-11/2020 सा10प्र0-8152

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

28 अप्रील 2023

श्री तारानंद महतो वियोगी, बि०प्र०से०, को०क्र०-166/2019 तत्कालीन जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, कैमूर के विरुद्ध राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित शेल्टर होम में अनियमितता से संबंधित सी०बी०आई० से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आलोक में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 3634 दिनांक 23.09.2020 द्वारा आरोप पत्र उपलब्ध कराया गया। आरोप पत्र में श्री वियोगी के विरुद्ध प्रतिवेदित किया गया है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, कैमूर के रूप में अपने पदस्थापन अवधि दिनांक 30.07.2011 से 13.10.2012 के बीच इनके द्वारा अल्पावास गृह, कैमूर का एक बार भी समीक्षा, पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण नहीं किया गया, जिससे अल्पावास गृह में कई प्रकार की अनियमितताएं प्रकाश में नहीं आ सकीं।

शेल्टर होम में अनियमितता से संबंधित सी०बी०आई० से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आलोक में बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु राज्य स्तर गठित त्रिसदस्यी समिति की दिनांक 01.04.2022 को सम्पन्न बैठक में श्री वियोगी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही चलाने की अनुशंसा की गयी।

तदुपरांत त्रिसदस्यी समिति से प्राप्त अनुशंसा एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पत्र के आलोक में विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप पत्र की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक 6215 दिनांक 25.04.2022 द्वारा श्री वियोगी से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री वियोगी द्वारा अपना स्पष्टीकरण (पत्रांक-752 दिनांक-26.08.2022) विभाग को उपलब्ध कराया गया, जिसमें श्री वियोगी द्वारा मुख्य रूप से कहा गया कि वर्णित घटना की तिथि/अवधि वर्ष 2013 से अक्टूबर, 2017 है, जबकि उक्त जिले में उनका पदस्थापन/प्रभार की अवधि दिनांक 30.07.2011 से 30.10.2012 है, जो आरोपित घटना के समयकाल से पूर्णतः बाहर है। साथ ही उनके द्वारा यह भी कहा गया कि संवासिनों के साथ गलत हरकत एवं अन्य अनियमितताएं वर्ष 2013 से 2017 की बीच हुईं तथा इस कांड के मुख्य अभियुक्त पिन्टू पाल की नियुक्ति उनके कार्यकाल के समय तक नहीं हुई थी।

श्री वियोगी से प्राप्त स्पष्टीकरण पर विभागीय पत्रांक 16462 दिनांक 12.09.2022 द्वारा समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना से मंतव्य की मांग की गयी। समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 1910 दिनांक 10.04.2023 द्वारा श्री वियोगी के स्पष्टीकरण पर मंतव्य उपलब्ध कराया गया। प्राप्त मंतव्य में "अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन नहीं

करने, ग्राम स्वराज सेवा संस्थान द्वारा संचालित अल्पावास गृह कैमूर का पर्यवेक्षण/निरीक्षण नहीं करने आदि का जिक्र करते हुए श्री वियोगी के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाया गया।

श्री वियोगी के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों, समर्पित स्पष्टीकरण एवं समाज कल्याण विभाग से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि श्री वियोगी द्वारा अपने पदस्थापनकाल में अल्पावास गृह का निरीक्षण नहीं किया गया। उन्हें मासिक/त्रैमासिक निरीक्षण पर्यवेक्षण प्रतिवेदन वरीय पदाधिकारियों को समर्पित किया जाना चाहिए था, जो उनके द्वारा नहीं किया गया। निरीक्षण एवं वस्तुस्थिति की गंभीरता के आकलन के अभाव के कारण अल्पावास गृह में व्याप्त त्रुटियों का निराकरण संभव नहीं हो पाया। श्री वियोगी का यह कृत्य सरकारी कार्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है।

वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री वियोगी के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं पाते हुए उनके द्वारा निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में बरती गयी लापरवाही के लिए अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा श्री तारानंद महतो वियोगी के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (यथा संशोधित) के नियम 14 के संगत प्रावधानों के तहत निन्दन (आरोप वर्ष-2011-12) एवं दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोक की शास्ति विनिश्चित किया गया है।

अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा विनिश्चित दंड के आलोक में श्री तारानंद महतो वियोगी, बि0प्र0से0, को0क्र0-166/2019 तत्कालीन जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, कैमूर सम्प्रति बंदोबस्त पदाधिकारी, सीतामढ़ी के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (यथा संशोधित) के संगत प्रावधानों के तहत निम्न दंड अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है:-

(1) निन्दन (आरोप वर्ष-2011-12)

(2) दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से अवरुद्ध का दंड।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मुकेश कुमार,
विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 477-571+10-डी0टी0पी0

Website: <http://egazette.bih.nic.in>